लुप्तप्राय हिमालयी जीवों पर वनाग्नि के कारण संकट

चर्चा में क्यों?

वन विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में प्रत्येक वर्ष घटित होने वाली वनाग्नि क्षेत्र के बहुमूल्य वन संसाधनों जैसे: **पेड़, पौधों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों और मृदा की मोटी उर्वर परतों** को काफी नुकसान पहुँचाती है।

- इससे लुप्तप्राय हिमालयी जीवों जैसे- **वन्य जीवों, सरीसृपों, स्तनधारियों, पक्षियों, तितलियों, मधुमक्खियों** और **मृदा को समृद्ध करने वाले जीवाणुओं** पर भी संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

मुख्य बिंदु:

- **चीयर तीतर, कलिज तीतर, रूफस-बेलिड कठफोड़वा, कॉमन रोज़, चॉकलेट पैंसी** एवं **कौवा जैसी एवियन प्रजातियों** का प्रजनन काल मार्च से जून तक होता है और यही वह अवधि है जब इस क्षेत्र के वनों में सबसे अधिक आगजनी की घटना होती है।
- हिमालयी तितलियों के संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में **तितलियों की कुल 350 प्रजातियाँ** पाई जाती हैं **जिनमें 120 प्रजातियाँ लुप्त होने के कगार पर** हैं क्योंकि ये वनाग्नि की घटना में नष्ट हुए पोषण देने वाले पौधों पर ही प्रजनन के लिये आश्रित होती हैं।
- देहरादून स्थित **वन अनुसंधान संस्थान** द्वारा पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में पाए जाने वाले येलो हेडेड कछुए पर वनाग्नि के प्रभाव पर भी शोध किया जा रहा है।
- यह **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972** की **अनुसूची 4 में सूचीबद्ध** है और इसके लुप्तप्राय होने के कारण यह वन्य जीवों और वनस्पतियों की संकटग्रस्त प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) के परिशिष्ट में भी दर्ज किया गया है।
- वन विभाग के अनुसार, नवंबर 2023 से अब तक **उत्तराखंड में वनाग्नि की घटना ने 1,437 हेक्टेयर से अधिक वन क्षेत्रों को प्रभावित किया** है।

चीयर तीतर (Cheer Pheasant)

//

- चीयर तीतर (***Catreus wallichii***), जिसे वालिश तीतर के नाम से भी जाना जाता है, तीतर वर्ग **Phasianidae** की एक सुभेद्य प्रजाति है।
- यह ***Catreus*** प्रजाति का एकमात्र सदस्य है।
- **IUCN रेड लिस्ट स्थिति:**
- **CITES स्थिति:** परिशिष्ट-I
- **WPA**: अनुसूची-I

रूफस-बेलिड कठफोड़वा (Rufous-Bellied Woodpecker)

- रूफस-बेलिड कठफोड़वा ***(Dendrocopos hyperythrus)*** **Picidae** वर्ग में पक्षी की एक प्रजाति है।
- यह भारतीय उपमहाद्वीप और **दक्षिण पूर्व एशिया** में **हिमालय के क्षेत्रों में** पाया जाता है।
- इसके प्राकृतिक आवास उपोष्णकटिबंधीय या **उष्णकटिबंधीय आर्द्र तराई-वन** तथा **उपोष्णकटिबंधीय या उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्वतीय वन** हैं।
- **IUCN रेड लिस्ट स्थिति:** कम चिंतनीय
- **CITES स्थिति:** मूल्यांकन नहीं किया गया
- **WPA:** अनुसूची-IV

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/forest-fires-threaten-rare-himalayan-fauna